4385

M.A. (Previous) Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper–V

(कथा साहित्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).

Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. (i) 'उसने कहा था' कहानी की प्रसिद्धि का मूल कारण बताइये।

(ii) प्रेमचन्द का वह कहानी संग्रह जिसे स्वातन्त्र्य भावना सम्बन्धी कथ्य के कारण अंग्रेज सरकार द्वारा जब्त कर लिया गया था।

इकाई-II

(iii) 'गोदान' नामकरण का औचित्य बताइये।

(iv) 'गोदान' के प्रमुख स्त्री पात्रों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-III

(v) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के प्रमुख पात्र 'बाण' का वास्तविक नाम क्या था?

(vi) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' रचना की मूल संवेदना बताइये।

इकाई-IV

(vii) 'शेखर एक जीवनी' के प्रथम भाग का नामकरण अज्ञेय ने किस शीर्षक से किया है?

(viii) 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास में किस जीवन दर्शन की झलक मिलती है?

इकाई-V

(ix) हिन्दी का प्रथम उपन्यास का नाम बताइये।

(x) प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास की कोई दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

"......यह क्या हुआ? .... कैसे हुआ? क्या गोम्या उन्हें नहीं जनता था? एक ही मिनट में वह 'कुर्बान भाई' से 'मियां' कैसे बन गए? एक मिनट भी नहीं लगा! बरसो से तिल तिल कर जो प्रतिष्ठा उन्होंने बनाई...... हर दिन हर पल जैसे एक अग्नि-परीक्षा से गुजर कर, जो सम्मान जो प्यार

अर्जित किया..... हर दिन खुद को समझाकर .... कि पाकिस्तान जाकर भी कोई नवाबी नहीं मिल जाती ...... जैसे हैं यहीं मस्त हैं ..... अल्लाह सब देखता है .... जाने दो जोश को, डूबने दो सुरैया का सितारा, भुला देने दो दोस्तो को .... लुह जाने दो कारोबार .... तिल तिल करके बना पहाड़ एक फूँक में उड़ गया।''

3. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

''रम्पी फुँक गई। कन्हाई ने अपने हाथ से आग दी। उसके पेट का जाया न सही, बाप का बड़ा बेटा तो वही था। बिरादरी के लोगों के मुँह से 'वा वाह' की आबाज निकल गई। कारज ऐसा किया कि कुम्हारों में काहे को होता होगा। स्वयं चंदा को भेज कर फूल गंगा में डलवा दिया। पाप कौन नहीं करता? मगर हम तो उसकी गत सुधार दें। बाहर बामन हो गए। और जब कन्हाई लौटकर तेरहवें दिन अपने घर आया तो ऐसा लगा, जैसे अब कुछ नहीं रहा।''

इकाई-II

4. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

"स्त्री पुरुष से उतनी ही श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अन्धेरे से। मनुष्य के लिए खमा और त्याग और अहिंसा जीवन के उच्चतम आदर्श हैं। नारी इस आदर्श को प्राप्त कर चुकी है। पुरुष धर्म और अध्यात्म और ऋषियों का आश्रय लेकर उस लक्ष्य पर पहुँचने के लिए सदियों से जोर माररहा है, पर सफल नहीं हो सका हैं। मैं कहता हूँ, उसका सारा अध्यात्म और योग एक तरफ और नारियों का त्याग एक तरफ।"

5. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

"शिक्षा देना संसार अपना सबसे बड़ा कर्त्तव्य समझता है, किन्तु शिक्षा अपने मन की, शिष्य के मन की नहीं, क्योंकि संसार का "आदर्श व्यक्ति" व्यक्ति नहीं एक "टाइप" है और संसार चाहता है कि सर्वप्रथम अवसर पर

ही प्रत्येक व्यक्ति को ठोक पीटकर, उसका व्यक्तित्व कुचलकर, उसे एक टाइप में सम्मिलित कर लिया जाए, उसे मूल रचना न रहने देकर एक प्रतिलिपि-मात्र बना दिया जाए.... और यह शिक्षा दी कैसे जाती है? जो निर्धन होते हैं, वे बचपन से ही ठुकते पिटते हैं, केवल घर में ही नहीं, केवल बाहर नहीं, सर्वत्र, सबसे। सारा संसार ही उनके लिए एक शिक्षणालय हो जाता है, जहाँ नीरस हृदयहीनता से उन्हें शिक्षा दी जाती है।''

इकाई-III

6. गोदान शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए इसमें सांकेतिक समस्याएँ व उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. ''गोदान एक महाकाव्यात्मक उपन्यास है'' कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए।

इकाई-IV

8. '''बाणभट्ट की आत्मकथा' के माध्यम से आचार्य द्विवेदी ने महाकवि के जीवन के ऐतिहासिक एवं काल्पनिक पक्षों को उजागर करने का प्रयास किया है।'' कथन के आलोक में बाणभट्ट का चरित्र चित्रण कीजिए।

9. औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'स्वामी' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

10. नई कहानी की संवेदना व शिल्प पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

11. "प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास का किसी एक दिशा पर नहीं अपितु विविध दिशाओं में विकास हुआ है।" कथन की पुष्टि कीजिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. 'पार्टीशन' कहानी की मूल संवेदना बताते हुए कहानी तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

इकाई-II

13. " 'गोदान' प्रेमचन्द की महान उपलब्धि है जिसमें उन्होंने तत्कालीन समाज के सभी वर्गों का सजीव चित्रांकन किया है।" कथन की पुष्टि कीजिए।

इकाई-III

14. "'बाणभट्ट की आत्म कथा' की भाषा एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य कला की कसौटी पर खरा उतरता है।" कथन को प्रमाणित कीजिए।

इकाई-IV

15. 'शेखर एक जीवनी' की कथावस्तु व शिल्प पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

इकाई-V

16. "हिन्दी कहानी की विकास यात्रा" को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

•